टोंक भास्कर

सिंह . उनियारा . दूनी | जयपुर | शनिवार 28 जून, 2014 | पीपलू . पचेवर . लांबाहरिसिंह . नारि

दो हजार खरगोश होंगे पिंजरों से मुक्त

अविकानगर में उन्नत नस्ल के खरहों पर शोध बंद करने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता | मालपुरा

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान व सब सेंटरों में शोध कर विकसित किए गए उन्नत नस्ल के करीब दो हजार खरगोश जल्दी ही पिंजरों से मुक्त होंगे। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में खरगोश पर किए जा रहे शोध कार्य भी अब नहीं हो सकेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के निर्देशानुसार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा केंद्रीय भेड एवं ऊन अनुसंधान संस्थान को एक आदेश में इस बाबत अवगत कराया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से जारी आदेश से समूचे संस्थान में व खरगोश प्रेमियों तथा खरगोश पालक सदमे में हैं। अविकानगर की खरगोश इकाई में इस वक्त करीब सात सौ उन्नत खरगोश पल रहे हैं। शेष गरसा व मन्ननूर सेंटर पर है। ठंडे क्षैत्र के खरगोश की विभिन्न प्रजातियों पर तरह तरह के अनुसंधान कर ज्यादा मांस व अधिक ऊन देने वाले खरगोश यहां तैयार किए गए हैं। अविकानगर में खरगोश की नस्ल सुधारने के लिए रिसर्च का कार्य केंद्र सरकार ने ही वर्ष 1978-79 में स्वीकृत किया था। 1981 से अविकानगर में खरगोश इकाई संचालित है। इस दौरान अविकानगर द्वारा तैयार की गई उन्नत नस्ल के करीब 20 हजार खरगोश विक्रय किए जा चुके। विदेशी प्रजाति के खरगोश से रिसर्च कर उत्पन्न उन्नत नस्ल के खरगोश पाल कर अनेक किसान अपनी जीविका चला रहें है। इसके अलावा देश के सभी प्रदेशों में अविकानगर की उन्नत नस्ल के खरगोश की मांग की जा रही है। संस्थान द्वारा शोधित अंगोरा नामक खरगोश की ऊन के वस्त्र उपयोगी साबित हुए है। खरगोश की खाल भी कीमती है। । वर्तमान में अविकानगर संस्थान में न्यूजीलैंड, व्हाइटजोइन्ट, सोवियत चिंचिला, ब्लैक ब्राउन व ग्रेजाइंट, डच नस्ल के सात सौ खरगोश हैं। इस आदेश के चलते कि संस्थान में अब खरगोश का प्रजनन बंद करना शुरू कर दिया है। संस्थान में खरगोश इकाई के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. राजीव गुलयानी ने उन्नत नस्ल के खरगोश पालने से किसानों का आर्थिक विकास होने की जानकारी दी है। संस्थान द्वारा शोधित की गई खरगोश की उन्नत नस्लें खरगोश पालन के लिए किसान मांगने लगे हैं। शोध पैकेज पूरा हो चुका है बीजीए सप्लाई की जाती है। अब अगर सरकार द्वारा बंद करने के आदेश है तो ब्रीडिंग भी बंद कर देंगे। ऐसे आदेश आने की चर्चा है स्पष्ट नहीं हुआ है।

मालपुरा. केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर की खरगोश पालन इकाई के पिंजरों में पल रहे हैं उन्नत नस्ल के 700 खरगोश।

अभी पुष्टि नहीं कर सकते : नकवी

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के निदेशक डॉ. एस. एम. के नकवी ने कहा है कि इस संबंध में अभी पुष्टि नहीं की जा सकती है। इस संबंध में उच्च स्तर पर चर्चा हो रही है।